REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF CIVIL AVIATION DEPARTMENT HARYANA FOR THE YEAR 2017-2018.

During the year 2017-2018, the Aviation centers of Haryana Institute of Civil Aviation situated at Hisar, Karnal and Pinjore continued to provide flying training. Haryana Institute of Civil Aviation, Karnal Centre did 1128:10 hours against the target of 1500 flying hours. Haryana Institute of Civil Aviation, Hisar Centre did 14:20 hours against the target of 1500 flying hours due to non-availability of Chief Flying Instructor/Deputy Chief Flying Instructor at Hisar Centre. As per rules of Director General, Civil Aviation, GOI, New Delhi availability of the Chief Flying Instructor/Deputy Chief Flying Instructor is mandatory for such activities. Haryana Institute of Civil Aviation, Pinjore Centre did 2003:30 hours against the target of 1500 flying hours. During the year under report, pilot trainees of Hisar 03 Student Pilot Licence,Licences were got in the field of flying training. The pilot trainees of Karnal centre got 15 Student Pilot Licence, 06 Commercial Pilot Licence, 05 C.P.L.(Conversion), 02 Instrument Rating licence and 01 Renewal Test Licence in the field of flying training. The pilot trainees of Pinjore Centre got 12 Student Pilot Licence, 04 Private Pilot Licence, 13 Commercial Pilot Licence, 02 Flight Instructor Rating Licence, 02 Commercial Pilot Licence (Conversion), 04 Instrument Rating licence and 03 Renewal Test Licence in the field of flying training.

The department also provides concessional flying training to the boys, girls and students of Scheduled Caste category of Haryana domicile, but no student had approached this department for such concession during the period under report

V.I.P. Helicopter EC-145 (VT-HRY) had done 619 flights of 347:21 hours and incurred expenditure of Rs 1,56,88,232.00 without any interruption.

Dated, Chandigarh

(Devender Singh)
Additional Chief Secretary to Govt. Haryana,
Civil Aviation Department.

CRITIQUE ON ADMINISTRATIVE REPORT OF CIVIL AVIATION DEPARTMENT HARYANA FOR THE YEAR 2017-2018.

----

1. Haryana Institute of Civil Aviation did 3146 hours of flying against the target of 4500 flying hours only due to non availability of Chief Flying Instructor/Dy. Chief Flying Instructor Hisar Centre during the year under report.

2. Out of 08 trainer aircrafts, only 7 trainer aircraft remained serviceable during the year under report. The maintenance work of VIP Helicopter EC-145 (VT-HRY) was carried out by M/s Deccan Charter Pvt. Ltd., New Delhi as this arrangement proved economical.

Dated, Chandigarh

(Devender Singh)
Additional Chief Secretary to Govt. Haryana,
Civil Aviation Department.

सिविल विमान्न विभाग, हरियाणा की वर्ष 2017–2018 की प्रशासनिक fjiksVZ ij lekykspukA

1- **रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान हरियाणा सिविल विमानन् संस्थान ने उड्डयन के** {ks= esa 4500 ?k.Vksa ds y{; ds le{k dsoy 3146%00 ?k.Vs dh QykbZax dh D;ksafd fjiksVkZf/ku vof/k ds nkSjku fgDdk ds fglkj lsUVj esa fnukad 01-04-2017 ls 28-02-2018 rd Chief Flying Instructor/Deputy Chief Flying Instructor miyC/k ugha Fkk A

2- **रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 08 ट्रेनर हवाई जहाजों में से केवल 7 जहाज** pkyw gkyr esa jgsA foHkkx us oh-vkbZ-ih- gSyhdkIVj EC-145 (VT-HRY) dh esUVhusal dk dk;Z e0 MSdu pkVZj izkbZosV fy0] ubZ fnYyh ls djok;k tksfd **आर्थिक दृष्टि से किफायती रहा ।**

¼nsosUnz flag½

fnukad p.Mhx<+ vfrfjDr eq[; lfpo] gfj;k.kk ljdkj]

flfoy foekuu foHkkxA

सिविल विमानन् विभाग, हरियाणा की वर्ष 2017&2018 की प्रशkklfud fjiksVZ dh leh{kkA

वर्ष **2017**&2018 ds nkSjku gfj;k.kk flfoy foekuu laLFkku ¼fgDdk½ के सभी सैन्टर हिसार, करनाल तथा पिंजौर लगातार फ्लाईगं प्रशिक्षण प्रदान करते jgsA fgDdk ds djuky lsUVj us 1500 ?k.Vks dh mM+ku ds y{; ds le{k 1128%10 ?k.Vs dh mM+ku dhA fgDdk ds fglkj lsUVj us 1500 ?k.Vks dh mM+ku ds y{; ds le{k 14%20 ?k.Vs dh mM+ku dh D;kafd fgDdk ds fglkj lsUVj esa fjiksVkZ/khu vof/k ds nkSjku fnukad 01-04-2017 ls 28-02-2018 rd Chief Flying Instructor/ Dy. Chief Flying Instructor miyC/k ugh FkkA महानिदेशक सिविल विमानन, भारत सरकार, नई fnYyh ds fu;eksa ds rgr fdlh Hkh Flying Centre dh Flying xfrfof/k;ksa ds fy, Chief Flying Instructor/ Dy. Chief Flying Instructor dk gksuk t:jh gSA fgDdk ds fiatkSj lsUVj us 1500 ?k.Vks dh mM+ku ds le{k 2003%30 ?k.Vs dh mM+ku dh A fglkj dsUnz ds प्रशिक्षणार्थियों ने वर्ष के दौरान उड्डयन के क्षे़त्र में 03 LVwMsUV ik;YkV ykblsal प्राप्त किये । करनाल केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों ने 15 LVwMsVl ik;yV ykblsal] **06** कामर्शियल पायलट लाईसैंस, **05** कामर्शियल पायलट लाईसैंस (कन्वर्सन), 02 baLVªD'kuy jsfVx ykblsal ,oa 01 fjU;woy VsLV ykblsal izkIr fd;sA fiatkSj dsUnz के प्रशिक्षणार्थियों us 12 LVwMsV ik;yV ykblsal] 04 izkbZosV ik;yV ykblsal] **13** कामर्शियल पायलट लाईसैंस, **02** QykbV baLVªDVj jsfVx ykblsal] 02 lh-ih-,y- ¼dUoZ'ku½] 04 baLVªD'kuy jsfVx ykblsal ,o 03 fjU;woy VsLV ykblsal izkIr fd;sA

foHkkx }kjk gfj;k.kk fuoklh yM+dsa] yM+fd;ksa RkFkk vuqlwfpr tkfr;ksa के प्रशिक्षणार्थियों को रियायती दरों पर फलाईग का प्रशिक्षण दिया जाता है परन्तु रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान किसी भी प्रशिक्षणार्थी ने bl fj;k;r gsrq vkosnu ugha fd;k A

oh-vkbZ-ih- gSyhdkWIVj EC-145 (VT-HRY)' }kjk fcuk fdlh :dkoV ,oa nq?kZVuk ds] 347%21 ?k.Vks dh 619 mM+kusa dh ftl ij dqy #0 1]56]88]232-00 dk [kpkZ gqvk A

fnukad p.Mhx<+ ¼nsoUnz flag½

vfrfjDr eq[; lfpo] gfj;k.kk ljdkj]

flfoy foekuu foHkkxA

सिविल

प्रषासनिक रिपोर्ट।

सिविल विमान्न विभाग, हरियाणा की स्थापना का उदेष्य राज्य के
लोगों को विमान्न के प्रति जागरूक करना है। विभाग ने फ्लाईंग, ग्लाईडिंग तथा एयरक्राफ्ट मैंटीनैंस इंजीनियर को अप्रैंटीषिप प्रषिक्षण देने हेतु हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान (सोसाईटी रजिस्ट्रेषन एक्ट 1860 के अर्न्तगत एक स्वायत संस्था) की स्थापना की है । विभाग की मुख्य गतिविधियां निम्न प्रकार से हैंः-

1. राज्य में सिविल हवाई पट्टियों तथा हैलीपैडों का निर्माण करना,
वर्तमान हवाई पट्टियों का रख-रखाव तथा विकास जिसमें नैवीगेषन की सुविधाएं भी सम्मिलित हैं।

2. लड़के तथा लड़कियों को हवाई जहाज के कोमर्षियल/ व्यवसायिक
पायलट, ग्लाईडर के पायलट तथा पायलट इंसट्रक्टर के लाईसैंसों के लिये फ्लाईंग तथा ग्लाईडिंग ट्रेनिंग तथा एयरक्राफ्ट मैंटीनैंस इंजीनियर के लाईसैंस के लिये अप्रैंटीषिप ट्रेनिंग प्रदान करना।

3. हरियाणा निवासी लड़के तथा लड़कियों को छात्रवृति तथा रियायती दरों
पर फ्लाईंग तथा ग्लाईडिंग की ट्रेनिंग देना और हरियाणा विमान्न संस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करना ।

4. प्रषिक्षण के लिये हवाई जहाज़, ग्लाईडर तथा अन्य एवियोनिक्स मषीनरी
तथा एक्यूपमैंट का प्राप्त करना तथा रख-रखाव करना।

5. राज्य के गणमान्य व्यक्तियों के लिये हवाई सेवा प्रदान करना।

क. सिविल हवाई अड्डों/हैलीपैडों की स्थापना तथा रख-रखाव

इस समय राज्य में पांच सिविल हवाई पट्टियां पिंजौर, करनाल, हिसार,
भिवानी तथा नारनौल में हैं, इसके अतिरिक्त दो रक्षा हवाई अड्डे सिरसा तथा अम्बाला में हैं। इन सभी हवाई पट्टियांे पर दिषा ज्ञान (नैवीगेषनल) सहायता साधन जैसे कि नॉन-डायरैक्षनल बीकन, ग्राउंड रेडियो स्टेषनज तथा रोटेटिंग बीकनज लगे हुए हैं जो कि राज्य के प्रषिक्षण तथा वी.आई.पी. हवाई जहाज़ एवं बाहर के हवाई जहाज़ों को नैवीगेषन की सुविधा प्रदान करते हैं। इन सभी हवाई पट्टियों का रख-रखाव भली-भान्ति किया जा रहा है तथा इस्तेमाल योग्य हैं । ख. फ्लाईंग, ग्लाईडिंग तथा एयरक्राफ्ट मैंटीनैंस इंजीनियर अप्रैंटीषिप की ट्रेनिंग प्रदान करना।

राज्य में हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान (हिक्का) के तीन विमानन

टे्रनिंग सैंटर पिंजौर, करनाल तथा हिसार में हैं जहां पर प्रषिक्षणार्थियों को फ्लाईंग तथा ग्लाईडिंग का प्रषिक्षण दिया जाता है। एन.सी.सी. के विद्यार्थियों को भी इस सुविधा का लाभ प्रदान किया जाता है। ग्लाईडिंग के प्रषिक्षण की सुविधाएं केवल हिसार तथा पिंजौर में ही उपलब्ध हैं लेकिन ग्लाईडर सर्विसेबल न होने के कारण ग्लाईडिंग प्रषिक्षण नहीं दिया जा सका। इन सभी सैन्टरों में एयरक्राफट मैंटीनैंस इंजीनियर अपै्रंटीषिप की टे्रनिग की सुविधा का लाभ भी दिया जाता है।

2017-2018 के दौरान संस्थान द्वारा फ्लाईग की

उपलब्धियां निम्नलिखित रहींः-

सैंटर का नाम फ्लाईंग घण्टों में

लक्ष्य उपलब्धियां

हिसार 1500 14ः20

करनाल 1500 1128ः10

पिंजौर 1500 2003ः30

फ्लाईंग की उपलब्धियों में कमी नये जहाज उपयोग में न होने के कारण

ए वं मार्किट में फ्लाईट इंसट्रक्टर की दुर्लभता तथा पुराने प्रषिक्षण के हवाई जहाजों के कारण रही । रिपोर्टाधीन अवधि में 78 प्रषिक्षणार्थियों ने हवाई जहाज का प्रषिक्षण प्राप्त किया।

रिपोर्टाधीन 2017-2018 के दौरान संस्थान के प्रषिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित लाईंसैंस प्राप्त किये:-

Name of

Centre

SPL
Student
Pilot
Licence

PPL
Private
Pilot
Licence

PPL
Conve
तेपवद

CPL
Commercial
Pilot
Licence.

CPL
Conve
तेपवद

AFIR
Asstt.

Flight
Instructor
Rating

FIR

Flight
Instructor
Rating

IR
Instru
उमदज

Rating

IR
Renew
ंस ज्मेज

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9- 10.

Hisar 03 00 00 00 00 00 00 00 00

Karnal 15 00 00 06 05 00 00 02 01

Pinjore 12 04 00 13 02 02 00 04 03

ग. हरियाणा निवासी लड़के तथा लड़कियों को रियायती दरों पर फ्लाईंग तथा
ग्लाईडिंग का प्रषिक्षण प्रदान करने के लिये छात्रवृति देना तथा हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
हरियाणा निवासी लड़के, लड़कियों तथा अनुसूचित जातियो से
सम्बन्धित प्रषिक्षणार्थियों को स्कोलरषिप एवं हरियाणा फ्लाईंग कोटा के रूप में वित्तीय सहाय के दौरान अनुसूचित जाति का कोई प्रषिक्षणार्थी नहीं था । इन विमानन टे्रनिंग सैंटरों में लड़कों के लिये होस्टल की सुविधा भ् षक्षणार्थियों को उड्डयन प्रषिक्षण प्रदान करने के लिये हरियाणा सिविल विमान्न संस्थान को वित्तीय सहायता के रूप में 1,00,00,000/-रूपये की राषि ग्रान्ट-इन-एड के रूप में दी गई।

घ. प्रषिक्षण के हवाई जहाज,ग्लाईडरों तथा अन्य एवियोनिक्स मषीनरी एवं
ए क्यूपमैंट की अधिप्राप्ति तथा रख रखाव । ----------------------------------

के दौरान 08 प्रषिक्षण के हवाई जहाजों में से निम्नलिखित
प्रषिक्षण के जहाज चालू हालत में रहेः-

प्रषिक्षण केन्द्र का नाम सर्विसेबल हवाई जहाज
हिसार 01
पिंजौर 03
करनाल 03

ड़. राज्य के गणमान्य व्यक्तियों के लिये हवाई यातायात की सुविधा प्रदान
करना
&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

वी.आई.पी. हैलीकॉप्टर म्ब्.145;टज्.भ्त्ल्द्ध द्वारा 347ः21घण्टों की 619
उड़ानें बिना किसी रूकावट एवं दुर्घटना के कीं। हैलीकाप्टर के रखरखाव का कार्य मैं0 डैक्कन चार्टर प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली से करवाया जो कि किफायती रहा ।
1-

दिनांक 29.12.2014 को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा द्वारा हिसार हवाई

10 मार्च, 2019 को इच्छुक डवैलपरज के साथ की गई बैठक के उपरान्त
ए वं परामर्शदाता की सिफारिशों और परिचर्चाओं के दौरान प्राप्त जानकारी के

आधार पर चरणबद्ध तरीके से एक समेकित विमानन हब की योजना बनाई गई है

क. चरण-प्

ऽ रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत घरेलू हवाई अड्डा

ख. चरण- प्प्

ऽ छोटे स्तर पर एमआरओ

•

ऽ प्रतिरक्षा विनिर्माण और प्रतिरक्षा एमआरओ

ग. चरण- प्प्प्

ऽ एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग
ऽ विमानन प्रशिक्षण केंद्र और विमानन विश्वविद्यालय
ऽ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
ऽ एरोट्रोपोलिस - वाणिज्यिक और आवासीय

(प्) भूमि स्थानातरण

ऽ राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से संबंधित मौजूदा हवाई पट्टी के निकट
4200 एकड़ भूमि एकी त विमानन हब की स्थापना के लिए चिह्नित की गई है। इस भूमि को नागरिक उड्डयन विभाग को हस्तांतरित करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री से स्वी ति प्राप्त कर ली गई है।
ऽ हरियाणा के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 30.06.2017 को एक बैठक हुई थी
जिसमें सभी विभाग नागरिक उड्डयन विभाग को भूमि हस्तांतरित करने के
लिए सैद्धांतिक रूप में सहमत हो गए थे। इस संबंध में औपचारिक अधिसूचना जारी की जा रही है।
;प्प्द्ध चरण -1 रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत घरेलू हवाई अड्डा

ऽ अल्पावधि में, यह निर्णय लिया गया कि इस हवाई अड्डे को भारत सरकार
के नागर विमानन मंत्रालय की उडान योजना के तहत रीजनल कनेक्टिविटी सर्विस हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जा सकता है। इस योजना का

संपूर्ण उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई परिवहन को सस्ता बनाना है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, केन्द्र और राज्य सरकारें क्षेत्रीय मार्गों पर विमान सेवाओं के संचालन की लागत में कमी करेंगी और
अंतर, यदि कोई हो, को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करे ंगी। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के माध्यम से श्रेणी-प्प्प् हवाई अड्डे के

लिए ओएलएस अध्ययन, पीसीएन मूल्यांकन परीक्षण और मौजूदा हवाई पट्टी के लिए सरफेस फ्रिक्षन टैस्ट करवाए गए हैं।
ऽ केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय, हरियाणा सरकार और भारतीय हवाई अड्डा
प्राधिकरण (कार्यान्वयन एजेंसी) के बीच 07.07.2017 को एक समझौता ज्ञापन
पर हस्ताक्षर किए गए थे।
ऽ हिसार में अंतर्राष्ट्रीय विमानन हब के विकास और प्रदेष में अन्य हवाई
अड्डों के विकास के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए हरियाणा के नागरिक विमानन विभाग और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के बीच 11.12.2017 को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
ऽ हितधारकों से परामर्षों के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर हरियाणा
सरकार और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय
के बीच हुए समझौता ज्ञापन में पहले से ही दिए गए प्रोत्साहन के अलावा
की गई पेशकश प्राप्त विचार-विमर्श, यह सौ निर्णय आरसीएस के लिए
हिसार को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में पेश करने की जरूरत है
(क) पार्किंग और लैंडिंग शुल्क को मोटे तौर पर भारतीय एयरपोर्ट प्राधिकरण की तर्ज पर युfäसंगत बनाया जाएगा ताकि हिसार हवाई अड्डा पार्किंग और बेसिंग के संचालन के लिए एक पसंदीदा स्थल बन सके।

अद्ध अगले 18 महीनों के भीतर चरण ाा की गतिविधियां तथा चरण ााा की

कला नेवीगेषन सुविधाओं की स्थिति के साथ रात को लैंडिंग की सुविधा और एयरबस ए-320 जैसे बड़े विमानों के लिए पार्किंग की सुविधा सहित रनवे का विस्तार 4000 फुट से 9000 फुट तक करने के लिए तकनीकी ड्राईंग तथा मास्टर प्लान बनाने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारत सरकार को अध्यतन करने के लिए अनुरोध किया हुआ है।

नई दिल्ली में 22.12.2017 को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा और
माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के बीच बैठक हुई। यह निर्णय लिया गया कि नई दिल्ली और हिसार के बीच मौजूदा चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग

को दो शहरों के बीच तेजी से कनेक्टिविटी के लिए छह लेन नियंत्रित पहुंचएक्सप्रेसवे में परिवर्तित किया जाएगा। इससे क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और हिसार में अंतर्राष्ट्रीय विमानन हब की व्यवहार्यता में वृद्धि होगी।

नई दिल्ली में 29.12.2017 को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा और
माननीय केंद्रीय मंत्री के बीच बैठक हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि नई दिल्ली और हिसार

के बीच सीधे रेल कनेक्शन के लिए काम तेज किया जाएगा और उसे सुपर फास्ट ट्रेनों को समायोजित करने के लिए उचित रूप से मजबूत किया जाएगा।

2. करनाल हवाई अड्डे को घरेलू हवाई अड्डा बनाया जाना
नागरिक हवाई पट्टी, करनाल को विकसित करने की माननीय मुख्यमंत्री,
द्वारा दिनांक 08.11.2014 को इस हवाई अड्डे के रनवे को 3000 फीट से बढ़ाकर 5000 फीट किया जाएगा।

इस संबंध में 28 एकड़, 2 कनाल, 4 मरला भूमि की आवष्यकता भ्ैप्प्क्ब् के-भूमि हरियाणा वैब पोर्टल पर अपलोड कर दी गई हैं। इसके अतिरिक्त करनाल सिविल एयरोड्रोम के साथ सटी हुई 28 एकड़, 2 कनाल, 4 मरला भूमि को इच्छुक विक्रेताओं से एक मास के अन्दर उपायुक्त, करनाल के कार्यालय में सम्पर्क करने के लिए करनाल क्षेत्र के समाचार पत्रों में प्रैस नोट प्रकाषित किया गया हैं।

3. पिंजौर, करनाल, भिवानी और नारनौल में मौजूदा हवाई पट्टियों के विस्तार

हरियाणा राज्य में स्थित भिवानी; नारनौल एवं पिंजौर हवाई पटिृयों के रनवे का विस्तार करने बारे दिंनाक 7/8/2017 को हुई मीटिंग मे माननीय मुख्यामंत्री महोदय द्वारा 3000 फुट से बढ़ाकर 5000 फुट करने का निर्णय लिया गया था

दिनाकं 16/2/2018 को माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता मे हुई मीटिंग
मे लिए गए निर्णयनुसार करनाल एरोड्रम का क्षेत्र 3000 फुट से बढाकर 5000 फुट करने बारे ऐयरपोर्ट अर्थोरिटी से च्ब्छएवम व्स्ै सर्वे रिर्पोट प्राप्त की गई है व करनाल ऐयरपोर्ट का क्षेत्र बढाने बारे गांव कलवहेडी जिला करनाल की 52 ए कड़ 12 मरला भूमि उपायुक्त करनाल द्वारा प्कमदजपलिध् पहचान की गई है जिसके

लिए च्नइसपब दवजपबम जारी किया जाना है वर्तमान मे मामला भ्पही च्वूमत स्ंदक च्नतबींेम ब्वउउपजजमम के स्तर पर विचाराधीन है।

हवाई पट्टी नारनौल के रनवे का विस्तार करने बारे मामला 300 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने बारे उपायुक्त नारनौल के स्तर पर प्रक्रियाधीन है भिवानी हवाई पट्टी के रनवे का क्षेत्र 4500 फुट बढाने बारे त्वनही ब्वेज म्ेजपउंजम प्राप्त हो चुका है जिसके लिए प्रषासनिक अनुमति जारी की जानी है पिंजौर हवाई पट्टी के रनवे का क्षेत्र बढ़ाने बारे उपायुक्त पंचकुला के स्तर पर भूमि की उपलब्धता बताने बारे मामला प्रक्रियाधीन है

4. चंडीगढ़ में नए अंतर्राष्ट्रीय सिविल एयर टर्मिनल का विकास: -

नए अंतर्राष्ट्रीय सिविल एयर टर्मिनल, चंडीगढ़ के विकास के लिए 4.1.2008 को भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण, पंजाब सरकार और हरियाणा सरकार के बीच ए क समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण 51 प्रतिषत और पंजाब एवं हरियाणा सरकार प्रत्येक 24.5 प्रतिषत इक्विटी शेयर

गया है। माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 11.09.2015 को इस परियोजना का उद्घाटन किया गया। वर्तमान में भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण/नागर विमानन मंत्रालय भारत सरकार के साथ इस परियोजना के दो मुद्दे लंबित हैं।

पद्ध कनेक्टिविटी के लिए प्रत्यक्ष पहुंच सड़क:

माननीय पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट, चण्डीगढ़ ने दिनांक 11.05.2018 को ब्ॅच् 27436 ;डवींसप प्दकनेजतपमे ।ेेवबपंजपवद टध्े न्दपवद वf प्दकपं ंदक वजीमतेद्ध के तहत आदेष जारी किए थे कि डी.एम. आर. सी द्वारा तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन दिनांक 25.05.2018 या उससे पहले जमा करवाई जाये। डी ए म आर सी द्वारा चण्डीगढ़
टैक्सी ट्रैक के नीचे एक अंडरपास के निर्माण के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन मसौदा प्रस्तुत कर दिया गया है। मामला प्रक्रियाधीन है।

पपद्ध चंडीगढ़ में सिविल एयर टर्मिनल का नाम बदलना

चंडीगढ़ के सिविल एयर टर्मिनल का नाम बदलने के संबंध में 31 मार्च, 2016 को हरियाणा विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया। इसके उपरांत चंडीगढ़ के सिविल एयर टर्मिनल का नाम बदल कर ‘‘शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, चंडीगढ़’’ करने के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा द्वारा माननीय नागरिक विमान्न राज्य मंत्री, भारत सरकार को एक अर्ध-सरकारी पत्र दिनंाक 08.04.2016 को लिखा गया था।

सिविल विमानन् विभाग .

रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित मन्त्री-ईन-चार्ज/अधिकारीगण सिविल विमान्न विभाग में पदस्थ रहेः-

क्र.स. पद नाम व अवधि

1. मन्त्री-इन-चार्ज 1. श्री राव नरबीर सिंह (1.04.2017 से
31-03-2018½

2. 1. प्रधान सचिव, हरियाणा
सरकार, सिविल विमानन
विभाग ।
2. अतिरिक्त मुख्य सचिव,
हरियाणा सरकार,सिविल
विमानन विभाग ।

1. डा0 महावीर सिंह, आई.ए.एस.
(01.04.17 से 11.04.2017)

2. श्री देवेन्द्र सिंह, आई.ए.एस.
(12.04.17 से 31.03.2018)

3-

सरकार, सिविल विमान्न
विभाग।

.ए.एस.
(1.04.2017 से 31.03.2018)

4. सलाहकार ,सिविल
विमानन् हरियाणा

.ए.एस.
(01.04.2017 से 31.03.2018)

5. सीनियर एग्जीक्यूटिव
पायलट,सिविल विमानन्
विभाग

1. विगं कमाण्डर (रिटायर्ड) डी0 एस0
नेहरा
2. विगं कमाण्डर (रिटायर्ड)
पी0के0डिड्डी

6. हैलीकॉप्टर पायलट ग्रुप कैप्टन निखिल नायडू
(प्रतिनियुक्ति पर)
(05.09.2017 से 31.03.2018)
7 लेखा अधिकारी श्री सेवा सिंह

8 प्रशासकीय अधिकारी

9 असिसटैंट हैलीकाप्टर
इंजीनियर

10. फ्लाईट डिस्पैचर श्री नरेन्द्र वर्मा

(5.09.2017 से 31.03.2018)

हरियाणा सिविल विमानन संस्थान (हिक्का) के अधिकारियो की सूची जो -2018 की अवधि के दौरान सम्बन्धित रहे:-

-----

क्र.स. पद नाम व अवधि
1. प्रधान श्री राव नरबीर सिंह, (1.04.2017
से 31.03.2018)
2. उप प्रधान 1. डॉ0 महावीर सिंह, आई.ए.एस
(01.04.17 से 11.04.17)
2. श्री देवेन्द्र सिंह, आई.ए.एस.(12.04.
17 से 31.03.18)
3. मुख्य कार्यकारी .ए.एस.,
(1.04.2017 से 31.03.2018)

4-

5. एयरक्राफ्ट इंजीनियर हिक्का
करनाल

श्री स्वपन बरुआ

6. चीफ एयरक्राफ्ट इंजीनियर हिक्का
(पदस्थ, हवाई अड्डा हिसार)

मोै0 इजराइल हूसेैन

7. डिप्टी चीफ फ्लाईग
इंस्ट्रक्टर,हिक्का करनाल
8. चीफ फ्लाईग इंस्ट्रक्टर, हिक्का
(पदस्थ, हवाई अड्डा पिंजौर)

कैप्टन डी.के.पुनिया

9. एयरक्राफ्ट इंजीनियर, हिक्का
पिंजौर

श्री गगनदीप सिंह

10. चीफ ग्राउन्ड इंस्ट्रक्टर, हिक्का
पिंजौर

श्री दीपक भाऱद्वाज